No. of Printed Pages : 4

MSK–005

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर 2025

एम.एस.के.–005 : वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय संस्कृति और सभ्यता

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

1. निम्नांकित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$10 \times 5 = 50$

(क) ऋग्वेद के वर्ण्य-विषय पर प्रतिपादन कीजिए।

(ख) वैदिक संहिताओं के भाष्यकारों पर एक निबंध लिखिए।

(ग) यजुर्वेद के उपनिषदों पर प्रकाश डालिए।

(घ) वैदिककालीन सामाजिक जीवन का वर्णन कीजिए।

(ङ) वेदाङ्गों के महत्व को विस्तारपूर्वक लिखिए।

(च) वेदार्थ ज्ञान में निरुक्त की उपयोगिता को सिद्ध कीजिए।

(छ) हविर्यज्ञ के अन्तर्गत चातुर्मास्य के पर्वों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : $5\times2=10$

(क) स नः पितेव सूनवेऽग्ने सूपायनो भव।
सचस्वा नः स्वस्तये।।

(ख) यः सप्तरश्मिर्वृषभस्तुविष्मान् अवासृजत्सर्तवे सिन्धून्।

यो रौहिणमस्फुरद् वज्रबाहुर्घामारोहन्तं स जनास इन्द्रः।।

(ग) यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवं तदु सुप्तस्य तथैवेति।

दूरङ्गमं ज्योतिषां ज्योतिरेकं तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु।।

(घ) तस्माद्यज्ञात्सर्वहुत ऋचः सामानि जज्ञिरे।

छन्दांसि जज्ञिरे तस्माद् युजुस्तस्मादजायत।।

खण्ड—ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$6 \times 5 = 30$

(क) निरुक्त

(ख) केनोपनिषद्

(ग) उपनयन संस्कार

(घ) पुराण के लक्षण

(ङ) सामवेद

(च) वैदिककालीन नारियाँ

(छ) ज्योतिष

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए :

$5 \times 2 = 10$

(क) तुमुन्ण्वुलौ क्रियायां क्रियार्थयाम्

(ख) ईश्वरे तोसुन्कसुनौ

(ग) सख्युर्य

(घ) द्वन्द्वमनोज्ञादिभ्यश्च

× × × × ×